हिंदी प्रसून–3

1. सबके स्वामी, तुझे प्रणाम!

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (i)

2. (क) **भाव**—इन कविता की लाइनों के माध्यम से बालक प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि हे ईश्वर! आप एक हैं किंतु आपके नाम अनेक हैं जिनके बारे में सिर्फ आपको ही पता है।

(ख) **भाव**—प्रार्थना करते हुए बालक कहते हैं कि हे प्रभु! आप सबके हृदय में निवास करते हैं। कोई भी ऐसी जगह नहीं है जहाँ पर आपका निवास न हो। आप सभी जगह हैं।

3. (क) कितने (ख) ईसा (ग) अंतर (घ) प्रणाम

4. (क) हम सबके हृदय में ईश्वर रहता है।

(ख) ईश्वर के अनेक नाम हैं।

(ग) ईसा ईसाइयों का भगवान है।

(घ) बच्चे ईश्वर को प्रणाम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वे ही इस जग के पालनहार हैं और हम सबके स्वामी हैं।

❐ व्याकरण-बोध

5. धरती = ध् + अ + र् + अ + त् + ई

मस्जिद = म् + अ + स् + ज् + इ + द् + अ

स्वामी = स् + व् + आ + म् + ई

प्रणाम = प् + र् + अ + ण् + आ + म् + अ

गिरजाघर = ग् + इ + र् + अ + ज् + आ् + घ् + अ + र् + अ

6. (क) वर्णों (ख) वर्णमाला

(ग) स्वरों (घ) 'अ'

(ङ) मात्रा

7. बालक — बालिका | अध्यापक — अध्यापिका

लेखिका — लेखक | नायक — नायिका

गायक — गायिका | शिक्षिका — शिक्षक

8. **ईश्वर** — भगवान परमात्मा
धरती — पृथ्वी धरा
अंबर — गगन आकाश
धाम — निवास घर
अंतर — हृदय दिल

❒ योग्यता-विस्तार

9. **धर्म** **भगवान**
हिंदू — राम
मुस्लिम — अल्लाह
सिक्ख — गुरु नानक
ईसाई — ईसा मसीह
सभी धर्म हमें मिल-जुलकर सद्भावपूर्ण जीवन जीने की शिक्षा देते हैं।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. (क) हिंदू → (i) मंदिर
(ख) मुस्लिम → (ii) मस्जिद
(ग) सिख → (iii) गुरुद्वारा
(घ) ईसाई → (iv) गिरजाघर

❑

2. एक याद

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iii)
2. (क) आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे।
(ख) नेहरू जी को बच्चे प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे।
(ग) कई भाषाओं के शब्दों को मिलाकर बोली या लिखी जाने वाली भाषा को खिचड़ी भाषा कहते हैं।
(घ) 'बाल-दिवस' के रूप में जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन मनाया जाता है।
(ङ) चाचा नेहरू ने बालिका की पुस्तिका में यह संदेश लिखा कि जीवन में कभी हार न मानो। कठिनाइयों में भी हँसना सीखो।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क) अभिनंदन (ख) टोलियाँ (ग) हस्ताक्षर (घ) धन्यवाद

4. (क) प्रधानमंत्री (✓) (ख) चाचा नेहरू (✓)
(ग) 14 नवम्बर (✓) (घ) गुलाब का फूल (✓)
(ङ) शांतिवन (✓)

5.

संज्ञा शब्द		**सर्वनाम शब्द**	
भारत	प्रधानमंत्री	उन्हें	उनका
बच्चे	पुस्तिका	इन्हीं	मुझे
जवाहरलाल नेहरू		आपका	

6.

शब्द	**समानार्थी शब्द**	**शब्द**	**समानार्थी शब्द**
आजाद	स्वतंत्र	अधिक	बहुत
प्रथम	पहला	प्यार	प्रेम

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8.

हार	—	जीत
गुलाम	—	आजाद
हँसना	—	रोना

❒ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

3. डाकघर

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. (क) पत्र रजत गोयल ने अपने भाई अमन को लिखा।
(ख) डाकघर डाक के कार्यालय को कहते हैं।
(ग) डाकघर में डाक भेजने/डाक प्राप्त करने का प्रबंध होता है।
(घ) डाकघर से हम पोस्टकार्ड, लिफाफे, टिकटें आदि खरीद सकते हैं।
(ङ) रजिस्ट्री करने वाला पत्र या पार्सल को रजिस्टर करता है।
(च) डाक-खाते में पैसा जमा करने और निकालने का यह तरीका है कि डाकघर में बचत खाता खोलकर अपना रुपया जमा कराकर कॉपी (पासबुक) पर मोहर लगवा लेते हैं और जब चाहें अपने खाते से पैसा निकलवा सकते हैं।

❒ व्याकरण-बोध

3.

खुश	— आनंद	(प्रसन्न)	सुख
अध्यापक	— पंडित	वैज्ञानिक	(शिक्षक)
इन्तजाम	— इनकार	(प्रबंध)	इंतजार
खबर	— सूचक	खबरी	(सूचना)
दफ्तर	— कार्यशाला	कार्य	(कार्यालय)

4.

लिफाफा	— लिफाफे	खिड़की	— खिड़कियाँ
पैसा	— पैसे	कॉपी	— कॉपियाँ
खाता	— खाते	टिकट	— टिकटें
डाकखाना	— डाकखाने	बहन	— बहनें
रजिस्ट्री	— रजिस्ट्रियाँ		

5. अवश्य, नष्ट, क्या, क्लर्क, रजिस्टर, नमस्ते, द्वारा, अध्यापक

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

4. स्वच्छता से स्वास्थ्य

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

3. (क) केतन के बीमार पड़ने का कारण उसके गली-मोहल्ले में फैली गंदगी था।

(ख) कई दिनों से केतन के विद्यालय न आने के कारण उसकी हाल-खबर लेने के लिए जतिन उसके घर गया।

(ग) हमें कूड़ा कूड़ाघरों में फेंकना चाहिए।

(घ) देश के हर नागरिक को अपने मोहल्ले, अपने शहर और देश को स्वच्छ रखने तथा स्वस्थ रहने का ध्यान रखना चाहिए।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) लड़का (ख) स्वास्थ्य (ग) सुबह (घ) बालक

(ङ) कपड़े

5. वह, उसे, उसने।

❐ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।
7. विद्यार्थी स्वयं करें।
8. विद्यार्थी स्वयं करें।
9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

5. प्रभु, विमल बनें

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iii)

2. देश की **माटी देश का जल,**
हवा देश की देश के फल,
सरस बनें प्रभु सरस बनें।
देश के घर **और देश के घाट,**
देश के वन और देश के बाट,
सरल बने प्रभु सरल बनें।

3. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)

4. (क) हमारे देश के घाट स्वच्छता और शालीनता को अपनाकर सरल बन सकते हैं।
(ख) तन और मन के विमल होने से आशय; तन स्वस्थ और मन पवित्र होने से है।
(ग) देश की मिट्टी उपजाऊ, जल मीठा और हवा मन को सुकून देने वाली हो।
(घ) कवि देश के लोगों की आंतरिक और बाह्य भावनाओं एवं आपसी भाईचारे को विमल बनाना चाहता है।
(ङ) इस कविता में कवि की मानवता की भावना को व्यक्त किया गया है।

❐ व्याकरण-बोध

5. देश के तन और देश के मन,
देश के घर के भाई–बहन,
विमल बनें प्रभु विमल बनें।

6. विमल, सरस, प्रार्थना, प्रभु, बहन।

7. हवा — पवन (पावक) वायु
घर — गृह सदन (वदन)

वन —	कानन	(कुंडल)	जंगल
जल —	(वारिज)	नीर	पानी

8. सरस — अशोक वाटिका **सरस** फलों से सजी-धजी थी।
घाट — प्रयागराज के संगम **घाट** पर बहुत भीड़ थी।
देश — हमें अपने **देश** पर गर्व है।
प्रभु — हे **प्रभु!** हमें ज्ञान प्रदान करें।

❐ योग्यता-विस्तार

9. नागालैंड—नागालैंड भारत का उत्तर-पूर्वी राज्य है। इसकी स्थापना 1 दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में हुई थी। नागालैंड की राजधानी कोहिमा है। यहाँ की राजकीय भाषा अंग्रेजी है। इस राज्य के जिलों की संख्या ग्यारह है।

पंजाब—पंजाब उत्तर-पश्चिम भारत का एक राज्य है। इसकी राजधानी चंडीगढ़ है। 1 नवंबर, 1966 को पंजाब अस्तित्व में आया। सिक्खों का सर्वाधिक पवित्र स्थल स्वर्ग-मंदिर अमृतसर में स्थित है। कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है।

केरल—केरल भारत का एक प्रांत है जिसकी राजधानी तिरुवनंतपुरम है। यहाँ की भाषा मलयालम है। विज्ञापनों में केरल को 'ईश्वर का अपना घर' कहा जाता है। औणम केरल का राज्योत्सव है। वहाँ अनेक प्रकार के दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख पर्वतीय तराइयाँ, समुद्रतटीय क्षेत्र, अरण्य क्षेत्र आदि हैं।

❐ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

6. विवेकी हंस

❐ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (iv)

2. (क) देवदत्त ने सिद्धार्थ से (ख) सिद्धार्थ ने मंत्री से
(ग) राजा ने मंत्री से (घ) मंत्री ने राजा से

3. (क) राजकुमार सिद्धार्थ बगीचे में घूम रहे थे।
(ख) घायल हंस को देखकर सिद्धार्थ ने उसे उठाया और उसका बाण निकालकर घाव साफ किया।
(ग) हंस को बाण देवदत्त ने मारा था।
(घ) सिद्धार्थ और देवदत्त का झगड़ा राजदरबार में जाकर विवेकी हंस द्वारा स्वयं ही सही पात्र का चुनाव कर लेने से सुलझा।
(ङ) दोनों राजकुमारों में से हंस सिद्धार्थ के पास ही इसलिए गया, क्योंकि सिद्धार्थ ने उसके प्राणों की रक्षा की थी।

❐ व्याकरण-बोध

4.

क्रूर

नीर-क्षीर विवेकी

दयालु

(ख) विद्यार्थी स्वयं करें।

5. (क) ठंडी (iii) मंडी
(ख) मंत्री (iv) संतरी
(ग) दरबार (i) किरदार
(घ) हंस (ii) कंस

6.

कघा	कस	हस	पजाबी	पखा
कंघा	कंस	हंस	पंजाबी	पंखा

❐ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।
8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।
10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❐

7. जीवन का सार

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i)

2. (क) चुभती, प्रेम-सुधा, बूढ़े, मजाक (ख) वैरी, दूर, ठाली, काम
(ग) सेवा-धर्म, बड़ा, मेवा, चित्त

3. (क) **भाव**—इन पंक्तियों में बताया गया है कि समय बहुत ही मूल्यवान है। इसके एक-एक क्षण के महत्त्व को समझना चाहिए और इसे बेकार नहीं जाने देना चाहिए। घर के कामों में हाथ बँटाना चाहिए, कभी भी इसके लिए शर्म नहीं करनी चाहिए।

(ख) **भाव**—इन पंक्तियों में बताया गया है कि जो व्यक्ति सदैव आपके सामने आपकी प्रशंसा करता हो उसे कभी भी अपना मित्र नहीं समझना चाहिए। साथ-ही उसके मुख से अपनी ज्यादा बड़ाई सुनकर इतराना भी नहीं चाहिए, क्योंकि इसके द्वारा उत्पन्न अहंकार हमारी उन्नति में बाधक होता है।

4. (क) सदा रहो आनंद से, यह जीवन का सार।

(ख) माता-पिता-गुरु को सदा, नित्यप्रति करो प्रणाम।

(ग) देरी करना है बुरा, लेगा आलस घेर।

(घ) गुण गाता जो सदा तुम्हारे, उसे न मित्र बनाओ।

5. (क) हमें शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए व्यायाम करना चाहिए।

(ख) माता-पिता और गुरु के शुभाशिष से सब काम बन जाते हैं।

(ग) हमें आलस्य को अपना वैरी समझना चाहिए।

(घ) समयरूपी मूल्यवान चीज को व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए।

(ङ) कवि द्वारा आलस्य से दूर रहने की बात कही गई है, क्योंकि आलस्य में घिरकर, व्यक्ति दरिद्रता और बीमारियों का शिकार हो जाता है।

❒ व्याकरण-बोध

6. आशीष, प्रणाम, व्यायाम, आनन्द, सुधा।

7.

चित्त	मन	मूल्यवान	कीमती
मित्र	साथी	जगत्	संसार
वैरी	शत्रु	सुधा	अमृत
व्यर्थ	बेकार	मान	आदर

8.

प्यार	सार	देर	घेर
प्रणाम	काम	भरपूर	दूर
गँवाओ	शरमाओ	बरसाओ	उड़ाओ

9. (क) डर (ख) खुशी (ग) कष्ट

❒ योग्यता-विस्तार

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

8. शिक्षा बड़ी या धन

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) राजा ने (ख) पहले बालक ने (ग) दूसरे बालक ने

(घ) तीसरे बालक ने (ङ) राजा ने

3. (क) राजा अँधेरे में रास्ता भटक जाने तथा भूख-प्यास से व्याकुल हो जाने के कारण टीले पर बैठा था।

(ख) तीसरे बालक की इच्छा से राजा प्रभावित हुआ, क्योंकि उसने राजा से धन-वैभव न माँगकर केवल ऐसा आर्शीवाद देने को कहा जिससे वह पढ़-लिखकर देश की सेवा कर सके।

(ग) वह ज्ञान है जो जीवनभर मनुष्य के काम आता है तथा जिसे कोई चुरा नहीं सकता।

(घ) ''हम दोनों ने राजा से पुरस्कार माँगने में बड़ी भूल की।'' पहले दोनों बच्चों ने ऐसा इसलिए कहा, क्योंकि ज्ञान के अभाव में उनका सारा धन-वैभव नष्ट हो गया था।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) वे राजा के लिए पानी ले आए।

(ख) राजा बहुत खुश हुआ।

(ग) मैंने सुन्दर कपड़े नहीं पहने हैं।

(घ) वह उत्तर की प्रतीक्षा करने लगा।

(ङ) वे तीनों अच्छे दोस्त थे।

5.

थकान — थकावट	परिश्रम — परिश्रमी
प्यास — प्यासा	धन — धनी
भाग्य — भाग्यशाली	बुद्धिमान — बुद्धिमानी

6.

(क) खुशी का ठिकाना न रहना	→	(iv) बहुत प्रसन्न होना
(ख) साँस रोके खड़ा होना	→	(iii) बेचैनी या उत्सुकता दिखाना
(ग) घी के दीये जलाना	→	(ii) खुशियाँ मनाना
(घ) धन डूब जाना	→	(i) रुपये-पैसे का नुकसान होना

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❒

9. चीजें अपनी जगह रखें

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii)

2. (क) बस्ता, मेज, सोफे, पीछे।

(ख) बोतल, फ्रिज, सोने, में, पाए, मिली।
(ग) की, रोज, खूँटी पर रखते हैं, तकिए, नीचे

3. (क) मनीषा (ख) पिताजी (ग) दीपक (घ) माँ।

4. (क) दीपक बस्ता ढूँढ़ रहा है।
(ख) बस्ता कमरे में सोफे के पीछे से मिला।
(ग) मनीषा पानी की बोतल ढूँढ़ रही है।
(घ) बोतल पलंग के नीचे पाए के पास मिली।
(ङ) पिताजी गाड़ी की चाबी ढूँढ़ रहे हैं।
(च) कार की चाबी तकिए के नीचे मिली।

❐ व्याकरण-बोध

5. (क) मोजा पैसे
जूता बैट-बॉल
पानी की बोतल भोजन

(ख) सूची
मेरे पास मोजे नहीं हैं, मुझे नए मोजे चाहिए।
मेरे पास जूते नहीं हैं, मुझे नए जूते चाहिए।
मेरे पास पानी की बोतल नहीं हैं, मुझे पानी की बोतल चाहिए।
मेरे पास बैट-बॉल नहीं है, मुझे बैट-बॉल चाहिए।

6. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** — दीपक, मनीषा।
जातिवाचक संज्ञा — पुस्तक, बोतल।
भाववाचक संज्ञा — ख्याल, पढ़ाई।

❐ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।
8. विद्यार्थी स्वयं करें।
9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।
11. विद्यार्थी स्वयं करें।
12. विद्यार्थी स्वयं करें। ❐

10. किसका भूत?

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (iv)

2. (क) अभय शहर में अपने मामा के यहाँ रहकर पढ़ाई करता था।
(ख) अभय ने अपने मित्र सुनील को भूत समझकर डंडा मारा।
(ग) अभय भूत से बचने के लिए झाड़ियों के पीछे छिप गया।
(घ) दोनों मित्र शंका के भूत का खुलासा हो जाने के कारण हँसे।
(ङ) अभय के मित्र को टाँग के दर्द के कारण रात-भर नींद नहीं आई।

❒ व्याकरण-बोध

3. अभय रेलगाड़ी में बैठकर गाँव आया। भूत डंडा लगते ही कराहने लगा।
सुनील सूजी हुई टाँग सेंक रहा था। रास्ता कंकड़ और पत्थरों से भरा हुआ था।

4.

इम्तिहान	→ परीक्षा	डर	→ भय
पाँव	→ पैर	घर	→ गृह
रात्रि	→ रात	प्रात:	→ सुबह
कठिनाई	→ मुश्किल	पीड़ा	→ दर्द

5.

(ड)	(ढ)	(ड़)	(ढ़)
डर	ढक्कन	घड़ा	बढ़ना
डाक	ढीला	पेड़	पढ़ना

6. मुझे, वहाँ, मेरे, कोई, मैं, मेरी, यह, मैं, वहाँ।

7.

मित्र	शत्रु	कच्चा	पक्का
जल्दी	देर	अधिक	कम
अँधेरा	उजाला	समीप	दूर

8.

गुलाब	→ काँटा	कुरता	→ पाजामा
सूरज	→ किरण	कमीज	→ पैण्ट
कप	→ प्लेट	जूते	→ मोजे
बाल्टी	→ लोटा	साड़ी	→ ब्लाउज

❒ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❒

11. थॉमस अल्वा एडीसन

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii)

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

3. (क) उत्साह (ख) अखबार
(ग) कप्तान (घ) आग

4. (क) एडीसन की माँ उसके बारे में यह सोचती थी कि वह बड़ा होकर जरूर महान व्यक्ति बनेगा।
(ख) एडीसन का पूरा नाम था—थॉमस अल्वा एडीसन।
(ग) एडीसन ने अनेक वस्तुओं की खोज की। इनमें बिजली का बल्ब, पंखा, ग्रामोफोन, मूक फिल्मों में आवाज भरने का काम तथा बेतार का तार, कैमरा, टाइपराइटर एवं तेज आवाज वाला टेलीफोन।
(घ) एडीसन ने पढ़ाई में मन न लगने के कारण स्कूल जाना छोड़ दिया।
(ङ) विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ व्याकरण-बोध

5. कौन, मैं
तुम
कुछ, यह
वह, कोई

6. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (iii)
(ङ) (ii)

7. प्रधानाचार्य = प्रधान + आचार्य
शुभारंभ = शुभ + आरंभ
भावार्थ = भाव + अर्थ

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

12. संगति का प्रभाव

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) भजन (ख) थैले में (ग) लगाए (घ) बोली
(ङ) छुए

3. (क) एक ही वन के दो तोतों के स्वभाव में बड़ा अंतर संगति के प्रभाव के कारण था।

(ख) यात्री ने आत्मरक्षा के लिए जेब से पिस्तौल निकाल ली।

(ग) यात्री के साथ दूसरे तोते ने स्वागत-भरा आदरपूर्ण व्यवहार किया।

(घ) आश्रम का वातावरण प्यार से परिपूर्ण होता है।

(ङ) बुरी संगति से इसलिए दूर रहना चाहिए, क्योंकि उसका प्रभाव हमारे आचरण और वातावरण को दूषित कर देगा।

(च) बेर और केले का उदाहरण इसलिए दिया गया है, क्योंकि इसके माध्यम से बुरी संगति के प्रभाव से दूर रहने की बात बताई गई है। बेर की झाड़ी के पास यदि केले का पेड़ हो तो बेर के काँटे केले के पत्तों को चीर देते हैं।

❐ व्याकरण-बोध

4. (क) साधु → (ii) असाधु

(ख) मधुर → (iii) कर्कश

(ग) अच्छा → (iv) बुरा

(घ) एक → (v) अनेक

(ङ) सही → (i) गलत

5. हात्माम — महात्मा | पिलस्तौ — पिस्तौल

रत्कास — सत्कार | संतिग — संगति

❐ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

13. वन के पंछी

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) आसमान (ख) दुनिया (ग) श्रम (घ) घर

3. **भावार्थ**—कवि प्रश्न में दी गई पंक्तियों के माध्यम से लोगों को लोभ न करते हुए मिल-जुलकर आनंदमय जीवन बिताने का संदेश देते हुए कहता है कि पंछियों को

देखिए वे अनंत आकाश में किस तरह आनंदपूर्वक विचरण करते हैं। वे कभी भी दूसरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते। वे ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखते हैं कि जिसने आज दिया है वही कल भी देगा।

4. सारस ✗ गौरैया ✗ उल्लू ✗ चकोर ✗

5. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
(ङ) ✗

6. (क) पंछियों का घर आसमान में होता है।
(ख) पंछी जहाँ रहते हैं वहीं अपनी दुनिया बसाते हैं।
(ग) पंछी दिनभर काम करते हैं।
(घ) पंछी औरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते।

❐ व्याकरण-बोध

7. लेते — देते | परवाह — चाह
भरते — करते | बसाते — जाते

8. (क) वन में पंछी मिल-जुलकर **रहते हैं**।
(ख) वे दिन-भर काम **करते हैं**।
(ग) वे आकाश में **उड़ते हैं**।
(घ) वे जग का सारा माल नहीं **हड़पते**।
(ङ) वे औरों की कमाई से घर नहीं **भरते**।

9.

सार्थक शब्द	**निरर्थक शब्द**
चातक	आमसान
परवाह	कशु
निर्भय	कतोप
दुनिया	आसप
पंछी	हड़पकर

10. (क) पंछी आकाश में उड़ रहे हैं। पुल्लिंग
(ख) कोयल उपवन में कूक रही है। स्त्रीलिंग
(ग) हंस नदी में तैर रहा है। पुल्लिंग
(घ) बुलबुल गीत गा रही है। स्त्रीलिंग
(ङ) मोर बाग में नाच रहा है। पुल्लिंग

❐ योग्यता-विस्तार

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

12. पक्षियों का जीवन मानव-जीवन से इस प्रकार भिन्न है—
(i) वे आकाश में स्वच्छंद विचरते हैं।
(ii) वे किसी का माल हड़पकर जीने की इच्छा नहीं रखते।

(iii) उन्हें अपने श्रम से जितना मिल जाता है उतने में ही संतुष्ट रहते हैं।
(iv) वे दूसरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते।

❐ जीवन-मूल्य

13. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

14. दूसरे का दुख

❐ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

2. (क) मोहित (ख) कटु (ग) सीढ़ियों (च) अस्पताल
(ङ) स्वामी विवेकानन्द

3. (क) फोर्ट विलियम देखने कोलकाता के एक कॉलेज के विद्यार्थी गए।
(ख) बच्चे का मजाक इसलिए उड़ाया गया, क्योंकि वह कमजोर था, पेट में दर्द के कारण ठीक से चल नहीं पा रहा था।
(ग) बच्चे को बेहोश देखकर उसके एक साथी ने अपने दूसरे साथी को बुलाया और उसे तुरंत अस्पताल पहुँचाया।
(घ) बच्चे ने अपने रोने का यह कारण बताया कि पहले तो मैं भी इसका मजाक उड़ा रहा था। यदि इसे कुछ हो गया होता हो शायद मैं अपने आपको कभी क्षमा न कर पाता।

❐ व्याकरण-बोध

4. वह लड़का वहीं सीढ़ियों पर लेट गया। बच्चे किले को देख रहे थे कि अचानक उनमें से एक ने मन में सोचा—'हमें अपने साथी को इस तरह नहीं छोड़ना चाहिए था किला तो कल भी यहीं रहेगा, पर बेचारे साथी को कुछ हो गया तो उसके माता-पिता को अपार दुख होगा।'

5. (क) कटु — अपनी बोली-भाषा में **कटु** शब्दों का प्रयोग मत करो।
(ख) अस्पताल — घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत **अस्पताल** पहुँचाइए।
(ग) माता-पिता — **माता-पिता** ही ईश्वर का दूसरा रूप हैं।
(घ) मजाक — कभी भी किसी का **मजाक** नहीं उड़ाना चाहिए।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

15. रंगों का पर्व : होली

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv)
2. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (ii)
3. (क) होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठी थी।
   (ख) फाग होलिका-दहन के दिन अर्थात् रंग खेलने वाले दिन गाया जाता है।
   (ग) होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
   (घ) पिताजी ने बच्चों को यह समझाया कि होली का त्योहार सभी प्रकार के भेद-भावों को मिटाकर हमें प्रेम-भाव से रहने का संदेश देता है। इसलिए हमें किसी पर ग्रीस, कीचड़ या गन्दी चीजें नहीं डालनी चाहिए, क्योंकि इनका शरीर पर गलत प्रभाव पड़ता है।
   (ङ) हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम मिल-जुलकर आपसी मेल-जोल को बढ़ाएँगे तथा एकता और सच्चाई के मार्ग पर चलेंगे।

❒ व्याकरण-बोध

4. पूर्णिमा, पवित्रता
   व्यवहार, सच्चाई
5. (क) **त्योहारों में** हम **खुशियाँ** मनाते हैं।
   (ख) हमें होली अच्छे **रंगों** से खेलनी चाहिए।
   (ग) माँ ने **मिठाइयाँ** बनाईं।
   (घ) ब्रज में **फूलों** से होली खेली जाती है।
6. जनवरी फरवरी मार्च अप्रैल मई जून जुलाई अगस्त
   सितंबर अक्टूबर नवंबर दिसंबर

❒ योग्यता-विस्तार

7.

त्योहार	पकवान	त्योहार	पकवान
लोहड़ी	रेवड़ी, मूँगफली	दीपावली	मिठाइयाँ
गुरु पर्व	मिठाइयाँ	होली	गुझियाँ
गुड-फ्राइडे	—	ईद-उल-फितर	सेवइयाँ
क्रिसमस	कोकोनट केक	रमजान	फैनी

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

16. रट्टू तोता

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓

3. (क) रमेश विषय को रट-रटकर पढ़ रहा था।

(ख) माँ रमेश के पूरे साल पढ़ाई न करने तथा परीक्षा के समय विषय के रटने के व्यवहार से खुश नहीं थीं।

(ग) रमेश ने परीक्षा में अनेक प्रश्नों के उत्तर गलत लिखे।

(घ) अपनी गलती से रमेश ने यह सीखा कि अब वह पूरे वर्ष पढ़ाई करेगा और विषय को समझकर याद करेगा।

(ङ) पाठ पढ़कर हमने यह सीखा कि केवल परीक्षाओं के समय विषय को नहीं रटना चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष मेहनत और लगन से पढ़ना चाहिए।

(च) यदि रमेश पूरे वर्ष पढ़ा होता, तो वह परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के सही-सही उत्तर लिखता और उसे पछताना न पड़ता।

❒ व्याकरण-बोध

4.

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
तोता	तोते	लड़का	लड़के
ताला	ताले	कमरा	कमरे
बच्चा	बच्चे	बकरा	बकरे

5.

त्त	**न्न**	**ट्ट**
पत्ता	प्रसन्न	रट्टू तोता
कुत्ता	संपन्न	पट्टा

6. (क) भविष्यत्काल (ख) वर्तमानकाल (ग) वर्तमानकाल

(घ) भूतकाल (ङ) वर्तमानकाल

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑

हिंदी व्याकरण–3

1. भाषा और व्याकरण

(क) 1. वह साधन जिसके द्वारा हम अपने विचारों को किसी के सामने प्रकट करते हैं तथा उसके विचारों को ग्रहण करते हैं, भाषा कहलाता है।
जैसे—अमन लिख रहा है।

2. भाषा के दो रूप हैं—मौखिक रूप और लिखित रूप।
मौखिक भाषा—फोन पर बात करना, संवाद।
लिखित भाषा—पत्र-लेखन, कहानी-लेखन

3. मौखिक रूप से हम अपने विचारों को बोलकर प्रकट करते हैं जबकि लिखित रूप में हम अपने विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं।

4. हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है तथा उसकी लिपि देवनागरी है।

5. जिस शास्त्र के द्वारा हम लोग भाषा को सही-सही बोलना, लिखना, और पढ़ना सीखते हैं, वह व्याकरण कहलाता है।

(ख) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗

(ग) 1. तमिल 2. तेलुगू 3. मलयालम 4. कन्नड़

(घ) 1. भाषा 2. वर्ण 3. व्याकरण 4. तीन

(ङ) 1. क्रपा-कृपा 2. द्रष्टि-दृष्टि 3. उज्वल-उज्ज्वल
4. हरषित-हर्षित 5. धरमराज-धर्मराज 6. परिक्षा-परीक्षा

(च)

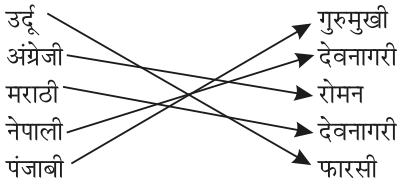

(छ) 1. मौखिक 2.लिखित

(ज) शब्द-विचार, वर्ण-विचार, वाक्य-विचार।

❑

2. वर्ण-विचार

(क) 1. वह छोटी-से-छोटी ध्वनि जिसके और खंड न हो सकें, वर्ण अथवा अक्षर कहलाती है। इसके दो भेद हैं—स्वर तथा व्यंजन।

2. जिन ध्वनियों के उच्चारण के समय अन्य ध्वनियों की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वर के तीन भेद हैं—ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर, प्लुत स्वर।

3. ह्रस्व स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है तथा दीर्घ स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व से दोगुना समय लगता है।
4. स्पर्श व्यंजनों की संख्या 25 है।
5. वे व्यंजन जो दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बनते हैं, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। जैसे क्ष तथा त्र।

(ख)

		मात्रा	प्रयोग विधि
आ	—	ा	व्यंजन + ा
इ	—	ि	ि + व्यंजन
उ	—	ु	व्यंजन के नीचे
ऋ	—	ृ	व्यंजन के नीचे

(ग) बर्तन, साँप

(घ) 1. पुस्तक 2. अमरूद 3. ध्वज

❑

3. शब्द-विचार

(क) 1. वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है।
2. उत्पत्ति के आधार पर शब्द के निम्नलिखित चार भेद हैं—
1. तत्सम शब्द 2. तद्भव शब्द 3. देशज शब्द 4. विदेशज शब्द

(ख)

तत्सम	चंद्र	**तत्सम**	आम्र	**तत्सम**	अग्नि
तद्भव	चाँद	**तद्भव**	आम	**तद्भव**	आग

(ग)

मोटर—अंग्रेजी	**औरत**—अरबी	**चालाक**—फारसी
कूपन—फ्रांसीसी	**कालीन**—तुर्की	**गमला**—पुर्तगाली
तौलिया—पुर्तगाली	**वकील**—अरबी	**लॉटरी**—अंग्रेजी
चाकू—तुर्की	**आदमी**—अरबी	**नमक**—फारसी

❑

4. संज्ञा

(क) 1. किसी व्यक्ति, प्राणी, स्थान, वस्तु अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के तीन भेद हैं।
1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा**—कुतुबमीनार, रामायण
2. **जातिवाचक संज्ञा**—घर, मजदूर
3. **भाववाचक संज्ञा**—मित्रता, मिलावट

(ख) 1. ताजमहल 2. रमा 3. बाग, मोर 4. घोड़ा 5. मित्रता

(ग) **मीराबाई**—मीराबाई कृष्ण-भक्त थीं।
मित्रता—मित्रता श्रेष्ठ गुण है।
बचपन—बचपन में निशांत बहुत शरारती था।
बुढ़ापा—बुढ़ापा सभी को आता है।
बुराई—वह मुझसे तुम्हारी बुराई कर रहा था।
हिरण—कल मैंने बहुत सुंदर हिरण देखा।

(घ) **लड़का**—लड़कपन
मानव—मानवता
मित्र—मित्रता
मीठा—मिठास
सुंदर—सुंदरता
बूढ़ा—बुढ़ापा
अपना—अपनापन
स्व—स्वत्व
सर्व—सर्वस्व
बुरा—बुराई

❑

5. लिंग

(क) 1. शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष जाति अथवा स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
उदाहरण—गायक भजन गा रहा है।
गायिका भजन गा रही है।
2. लिंग दो प्रकार के होते हैं।
1. पुल्लिंग—**शेर, बालक**
2. स्त्रीलिंग—**शेरनी, बालिका**

(ख)

लड़की	चुहिया	रानी	हिरणी
बकरी	शेरनी	कुतिया	चिड़ा

(ग) **नर**—नारी
शेर—शेरनी
धोबी—धोबिन
अध्यापक—अध्यापिका
अभिनेता—अभिनेत्री
डिबिया—डिब्बा
शिष्य—शिष्या
वर—वधू
पिता—माता
दादा—दादी
बूढ़ा—बुढ़िया
नाना—नानी
जेठ—जेठानी
रुद्र—रुद्राणी

❑

6. वचन

(क) 1. व्याकरण में शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

उदाहरण—चूहा-चूहे, तोता-तोते।

2. वचन के दो भेद हैं—एकवचन तथा बहुवचन।

3. शब्द के जिस रूप से उसके एक व्यक्ति, प्राणी अथवा वस्तु होने का पता चलता है, उसे **एकवचन** कहते हैं तथा शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का पता चलता है, उसे **बहुवचन** कहते हैं।

(ख)

कुत्ते	चुहियाँ
गधे	रानियाँ
कन्याएँ	घोड़े
आँखें	बालाएँ

(ग) चिड़ियाँ, केले, लड़के, लड़कियाँ

(घ)

बाला	चुहिया
बात	बुढ़िया
सेना	माता

❑

7. कारक

(क) 1. संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया के साथ समझा जाता है, वह कारक कहलाता है।

2. कारक के आठ भेद हैं—

1. कर्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. संप्रदान कारक 5. अपादान कारक 6. संबंध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक

3. कारक चिह्नों को विभक्ति अथवा परसर्ग कहते हैं।

(ख) 1. **से (अलग होना)**—आम पेड़ से टूटकर गिर गया।

2. **पर**—पौधे की टहनियों पर सुंदर फूल लगे हैं।

3. **के लिए**—मैंने माताजी के लिए उपहार खरीदा।

4. **के द्वारा**—मंत्रीजी के द्वारा मूर्ति का शिलान्यास किया।

5. **की**—बच्चा पर्वत की चोटी पर जा पहुँचा।

6. **अरे!**—अरे लड़के! तू अंदर कैसे आया?

7. **को**—बिल्ली ने साँप को मार दिया।

8. **ने**—राजा ने सेनापति को आदेश दिया।

(ग) 1. करण कारक 2. कर्ता कारक 3. अधिकरण कारक 4. संबोधन कारक

❑

8. सर्वनाम

(क) 1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण—मैं, हम, तुम।

2. सर्वनाम के छः भेद हैं—
1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

(ख) **मैं**—मैं कल दिल्ली जाऊँगा।
तुम—तुम कल विद्यालय क्यों नहीं आए थे?
आप—आप शायद रास्ता भटक गए हैं।
वह—वह बहुत मेहनती लड़का है।
यह—यह पुस्तक मेरी है।

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓

❑

9. विशेषण

1. जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
उदाहरण—किरण ने **काली** बिल्ली पाली है।
2. विशेषण चार प्रकार के होते हैं—
1. गुणवाचक विशेषण 2. परिमाणवाचक विशेषण 3. संख्यावाचक विशेषण 4. संकेतवाचक विशेषण
3. संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं तथा विशेषण शब्द जिसकी विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहते हैं।

(ख) 1. थोड़ा 2. चार 3. काली, सारा 4. कुछ 5. खट्टा

(ग)

विशेषण	**विशेष्य**	**विशेषण**	**विशेष्य**
नीली	कमीज	मीठा	आम
मोटी	बिल्ली	वार्षिक	परीक्षा
सुंदर	लड़की	लाल	गुलाब

❑

10. क्रिया

(क) 1. जिस शब्द से किसी कार्य के करने अथवा होने का पता चलता है, उसे क्रिया कहते हैं।
जैसे—नेहा पुस्तक **पढ़ती है।**

2. क्रिया के दो भेद हैं—
   1. सकर्मक क्रिया—**प्रतीक फल खा रहा है।**
   2. अकर्मक क्रिया—**कुत्ता दौड़ रहा है।**

❑

11. काल

(क) 1. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया किस समय हुई है, वह क्रिया का काल कहलाता है।
2. काल के तीन भेद हैं—
   1. भूतकाल—**मनु ने फल खाया**।
   2. वर्तमान काल—**मोर नाच रहा है**।
   3. भविष्यत् काल—**माताजी कल आएँगी**।

(ख) 1. काल 2. वर्तमान काल

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

12. वाच्य

(क) 1. क्रिया का वह रूप जिससे यह पता चलता है कि वाक्य में कर्ता, कर्म या भाव में से किसकी प्रधानता है, वाच्य कहलाता है।
2. वाच्य के तीन भेद हैं—
   1. **कर्तृ वाच्य**—खरगोश गाजर खाता है।
   2. **कर्म वाच्य**—कवि के द्वारा कविता लिखी गई।
   3. **भाव वाच्य**—नितिन से पढ़ा नहीं जाता।

(ख) 1. तीन 2. कर्तृ वाच्य 3. भाव 4. कर्म वाच्य

(ग) 1. बच्ची के द्वारा रोया जाता है। 2. माँ के द्वारा खाना बनाया जाता है।
3. राधा के द्वारा गीत सुनाया जाएगा। 4. मयूरी के द्वारा नाचा जाएगा।
5. तोते के द्वारा फल खाया जाएगा।

(घ) 1. राधा के द्वारा स्लेट तोड़ी गई। 2. पक्षियों से उड़ा जाता है।
3. मनु से हँसा जाता है। 4. रोगी से खाया जाता है।
5. बढ़ई से मेज बनाई जाती है।

❑

13. अविकारी शब्द

(क) 1. ऐसे शब्द जो लिंग, वचन, कारक, पुरुष और काल आदि के कारण अपना रूप नहीं बदलते हैं, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।

2. अविकारी शब्दों के चार भेद हैं—
1. क्रिया-विशेषण 2. संबंधबोधक अव्यय 3. समुच्चयबोधक अव्यय 4. विस्मयादिबोधक अव्यय

3. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।
जैसे—अभी, कल, शीघ्र, थोड़ा-थोड़ा

4. दो शब्दों, वाक्यांशों अथवा वाक्यों की पृथकता बताने वाले अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं, जबकि जिन शब्दों से हर्ष, आश्चर्य, घृणा, शोक, लज्जा आदि भाव प्रकट होते हैं, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं।

(ख) 1. क्रिया-विशेषण 2. संबंधबोधक अव्यय 3. समुच्चयबोधक अव्यय

(ग) 1. **धीरे-धीरे**—राम ने धीरे-धीरे सारा काम खत्म किया।
2. **अरे!**—अरे! तुम कक्षा के बीच में कहाँ जा रहे हो?
3. **वाह-वाह**-वाह—वाह! क्या शानदार चित्रकारी की है।
4. **थोड़ा**—मेहमानों ने थोड़ा-थोड़ा खाना खाया।
5. **अनुसार**—पुलिस के अनुसार रोहित चोर नहीं है।
6. **यदि**—यदि तुम हँसे, तो बहुत पिटोगे।

❑

14. वाक्य

(क) 1. संपूर्ण अर्थ अथवा भाव प्रकट करने वाला शब्द-समूह वाक्य कहलाता है।
जैसे—बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

2. वाक्य के दो अंग होते हैं—उद्देश्य तथा विधेय।

(ख)

उद्देश्य	**विधेय**
1. मैं	विद्यालय जाऊँगा।
2. हम	सरकस देखेंगे।
3. गाय	घास चर रही है।
4. रमा	पत्र लिखती है।
5. पक्षी	आकाश में उड़ गया।

(ग) 1. वहाँ मत बैठो। 2. मुझे पानी पीना है। 3. मोर जंगल में नाचा।
4. मेरे लिए एक गिलास पानी लाओ। 5. यहाँ मत लिखो।

❑

15. विराम-चिह्न

1. उसने मुझसे पूछा, ''तुम सोनीपत कब जा रहे हो?''
2. वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।
3. अपने माता-पिता का सदा आदर करना चाहिए।
4. छि:छि:! यहाँ तो बहुत गंदगी है।
5. भरत राम के पैरों पर गिरकर बोले, ''भाई, मुझे क्षमा कर दो।''
6. रानी, बबली, सुनीता और आरती घूमने गईं।

❑

16. विलोम शब्द

(क) जो शब्द किसी शब्द का विपरीत या उलटा अर्थ बताते हैं, वे विलोम शब्द कहलाते हैं।
जैसे—उदय-अस्त
अपना-पराया

(ख) जवान दिन शाम
दाता अंधकार निर्धन

(ग) बुरा अन्याय
नकली बलवान
डरपोक शोक
रात अपयश
अवनति महँगा
अवगुण विषम
अधीर निर्जल
कठोर अस्त

❑

17. पर्यायवाची तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(क) **अग्नि**—आग, अनल, पावक
अश्व—घोड़ा, तुरंग, बाजि
कमल—जलज, नीरज, सरोज
घर—गृह, निवास, आवास
नदी—सरिता, तटिनी, तरंगिनी
रात—निशा, रात्रि, रजनी
बादल—घन, पयोघर, जलद
सर्प—साँप, विषघर, भुंजंग

(ख) **अनिवार्य**—जिसको टाला न जा सके
वाचाल—बहुत अधिक बोलने वाला
शताब्दी—सौ वर्ष की अवधि
निडर—जो किसी से न डरे
अजर—जो कभी बूढ़ा न हो अर्थात् हमेशा जवान रहे

❑

18. मुहावरे

(क) 1. **कमर कसना**—तैयार होना
भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए **कमर कस** ली है।
2. **आँखें दिखाना**—डराना
माताजी के आँखें दिखाते ही बच्चे शांत बैठ गए।
3. **टेड़ी खीर**—कठिन काम
इस पहाड़ की चोटी पर चढ़ना बहुत टेड़ी खीर है।
4. **आँखें चुराना**—नजर बचाना
कंपनी के सभी लोग मालिक से आँखें चुरा रहे थे।

(ख) टोपी उछालना, एड़ी-चोटी का जोर लगाना, नाक कटना

❑

19. पत्र-लेखन

1 से 6 तक विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

20. कहानी-लेखन

विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

21. निबंध-लेखन

1 से 5 तक विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

सेमेस्टर-1 अद्‌र्धवार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (iv) (ङ) (i)
2. (क) बाल-दिवस (ख) धन्यवाद
   (ग) अच्छे (घ) चिंता (ङ) उत्साह, प्रेम
3. माटी देश का जल,
   हवा देश की
   सरस बने प्रभु
   और देश के घाट
   देश के वन और
   सरल बने प्रभु
4. (क) आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहरलाल नेहरू थे।
   (ख) बाल-दिवस' के रूप में पं० जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन मनाया जाता है।
   (ग) डाकघर से हम कार्ड, लिफाफे, टिकटें आदि खरीदते हैं।
   (घ) हमें कूड़ा कूड़ाघरों में फेंकना चाहिए।
   (ङ) हंस को बाण देवदत्त ने मारा था।
5. (क) लोभ—(iv) लालच (ख) व्याकुल—(v) परेशान
   (ग) निर्णय—(i) फैसला (घ) भस्म—(iii) राख
   (ङ) सुगंध—(iii) खुशबू (च) खुशबू
6. (क) पुत्री (ख) मामी
   (ग) दासी (घ) नानी
   (ङ) नौकरानी (च) मौसी
7. (क) गधे (ख) कन्याएँ
   (ग) आँखें (घ) चुहियाँ
   (ङ) रानियाँ (च) बालाएँ
8. (क) दैनिक (ख) वंदनीय
   (ग) भारतीय (घ) वैष्णव
   (ङ) भौगोलिक (च) सामाजिक
9. **मैं**—मैं सदा सत्य बोलता हूँ।
   तुम—तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए थे?
   आप—आप कल शाम पार्क में घूम रहे थे।
   वह—वह बहुत आलसी बच्चा है।

सेमेस्टर-2 वार्षिक परीक्षा प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

1. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iv) (घ) (iii) (ङ) (ii)
2. (क) सीढ़ियों (ख) अँधेरा (ग) प्रयोगशाला (घ) लगाए (ङ) अस्पताल
3. (क) आसमान (ख) दुनिया (ग) श्रम (घ) घर

4. (क) कार की चाबी तकिए के नीचे से मिली।
   (ख) रमेश विषय को रट-रटकर पढ़ रहा था।
   (ग) पंछी दिनभर काम करते हैं।
   (घ) फाग होलिका-दहन के दिन अर्थात् रंग खेलने वाले दिन गाया जाता है।
   (ङ) बच्चे ने अपने रोने का यह कारण बताया कि पहले तो मैं इसका मजाक उड़ा रहा था। यदि इसे कुछ हो गया होता तो शायद मैं अपने आप को कभी माफ न कर पाता।
5. (क) अच्छा—(v) बुरा (ख) सही—(iii) गलत
   (ग) साधु—(iv) असाधु (घ) मधुर—(i) कर्कश
   (ङ) एक—(ii) अनेक
6. (क) अपकार (ख) बलवान
   (ग) निर्यात (घ) विपक्ष
7. (क) **अमृत**—पीयूष, सुधा, सोम
   (ख) **कमल**—जलज, नीरज, सरोज
   (ग) **नदी**—सरिता, तटिनी, तरंगिनी
   (घ) **शत्रु**—वैरी, दुश्मन, अरि
   (ङ) **समुद्र**—सागर, जलधि, रत्नाकर
8. (क) बहुत प्रसन्न होना
   (ख) साफ मना करना
   (ग) होशियार होना
   (घ) बहुत भूख लगना
9. (क) अग्रणी
   (ख) अजर
   (ग) अमूल्य
   (घ) गगनचुंबी